CLASS - 3rd

Page No. | Date

पाठ-न वंदना (व्याख्या)

1) हे प्रभु! — — — — दो एक समान।

प्रसंग – प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक बोध की कविता वंदना से ली गई हैं। इस कविता की रचयिता कल्पना शर्मा हैं। इस कविता में ईश्वर सद्गुणों द्वारा कर्तव्य और देश-प्रेम के मार्ग पर चलने योग्य बनाने की प्रार्थना की गई है।

व्याख्या – इन पंक्तियों में कवि कहता है कि हे प्रभु! आप हम सब पर अपनी कृपा बनाएँ रखें और सभी को एक समान (बराबर) करके सभी की झोली सुख से भर दीजिए हमें आप ऐसा वरदान दीजिए।